बरेली, बुधवार
2 जून, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 1.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

Page No :05 Middle

पोस्ट कोविड बच्चों में एमआइएस-सी का खतरा

अंकित शुक्ला • बरेली

कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद भी बीमारियां पीछा नहीं छोड़ रहीं हैं। कई वयस्क और बुजुर्ग ब्लैक फंगस का शिकार हो रहे, वहीं बच्चों को मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (एमआइएस-सी) घेर रहा। अस्पतालों में रोजाना तीन-चार बच्चे पहुंच रहे हैं। श्री राममूर्ति स्मारक मेडिकल कालेज में मई में करीब सौ बच्चों का इलाज हो चुका है।

डॉ.पी.एल प्रसाद •

डॉ.ललित पमनानी •

मेडिकल कालेज के बाल रोग विभाग के प्रभारी डा. पी एल प्रसाद ने बताते हैं कि पहली लहर में मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम इन चाइल्ड (एमआइएस-सी) के मामले सामने नहीं आए थे। इस बार जो बच्चे आ रहे हैं उनमें इसके लक्षण मिल रहे हैं, जिनका लगातार इलाज चल रहा है।

ये हैं लक्षण: गुड़लोक अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डा. ललित पमनानी ने बताया कि एमआइएस-सी के प्रमुख लक्षणों में लगातार बुखार आना, डायरिया होना, दौरा पड़ना, दिल में दर्द उठना, आंखों का लाल होना, शरीर में लाल रंग के दाने, शरीर के भीतरी अंगों में सूजन होना शामिल है।

सामान्य इलाज से ठीक हो जाते हैं। चिकित्सक कहते हैं कि पोस्ट कोविड लक्षण दिखें तो इलाज शुरू कराएं। जिले में दूसरी लहर में करीब 550 बच्चे व किशोर संक्रमित हुए, सभी ने कोरोना को मात दी।

इम्यून सिस्टम की कमजोरी वजह

बाल रोग विशेषज्ञ डा. पीएल प्रसाद ने बताया कि कोविड के दौरान सक्रिय प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) अगर कमजोर है तो वह खुद के शरीर को नुकसान पहुंचाने लगता है। इससे विभिन्न अंगों जैसे हार्ट, किडनी, रक्त संचार व्यवस्था समेत शरीर के कई हिस्से प्रभावित होने लगते हैं। इसीलिए इसे मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (एमआइएस) कहा गया है।

यूरोपीय देशों से हुई शुरुआत

डा. प्रसाद ने बताया कि वर्ष 2020 की शुरुआत से ही यूरोपीय देशों में बच्चों के शरीर के कई अंगों में इसका प्रभाव देखा गया। इस कारण ही इस तरह की बीमारी को मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम इन चाइल्ड (एमआइएस-सी) कहा गया।